

Introducing Telephone and Telex Services in Foreign Countries

4159. SHRI DAYA RAM SHAKYA : Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state the progress made in regard to the operation of services through the high frequency radio-system and the steps taken by Government to have telephone and telex services with maximum number of foreign countries?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI NARHARI PRASAD SUKHDEO SAI) : The High-Frequency radio medium, on account of ionospheric propagation conditions, has inherent limitations and inadequacies to provide reliable and adequate communication channels. Most of the countries of the world, including India, have, therefore, switched over to the modern system of external telecommunications *via* satellite, which provides a wide-band, reliable and efficient service round the clock.

Through the net-work of direct and through-put satellite links, 99% of telephone, 95% of telex and 75% of Indians telegraph external traffic is handled *via* satellite. The High-Frequency radio system is however, also in operation with countries with which satellite communication is not feasible.

Through the net-work of direct and switched services *via* Satellite/High-Frequency radio system, India provides telegraph services to all countries of the world, telephone service to 107 countries and telex service to 191 countries.

दूर संचार की समस्याएँ

4160. श्री दयाराम शाक्य : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेडियो आवृत्ति आबंटन की स्थायी मलाहकार समिति की बैठक में आवृत्ति बैंडों के लिए राष्ट्रीय आवृत्ति आबंटन योजना, विशिष्ट प्रणालियों की आवृत्ति समन्वय सम्बन्धी प्रपेक्षाओं, बेतार स्थापनाओं के लिए स्थल के चयन और अन्य दूर संचार समस्याओं से सम्बद्ध प्रश्नों पर विचार किया गया था; और

(ख) यदि हाँ, तो उस के क्या परिणाम निकले हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) जी हाँ। रेडियो आवृत्ति आबंटन की स्थायी मलाहकार समिति (सेकफा) की बैठकों में बराबर विचारार्थ आने वाले इन मामलों पर, विचार होता है। बैठके समय समय पर होती रहती हैं। समिति की पिछली (32वीं) बैठक 8 सितम्बर, 1977 को हुई थी।

(ख) रेडियो आवृत्ति आबंटन की स्थायी मलाहकार समिति में हुए विचार-विमर्श के फलस्वरूप, रेडियो आवृत्ति स्पेक्ट्रम के विभिन्न भागों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रयोग की योजना बनाई गई है। इसका पुनरीक्षण भी किया गया है। बेतार के विभिन्न प्रायोक्ताओं व सेवाओं के लिए विशिष्ट रेडियो आवृत्तियों का प्राधिकार दिया गया। राष्ट्र के सभी प्रयोक्ताओं के लिए रेडियो संस्थापन के स्थान, समन्वय के बाद तय किए गए। आवृत्ति आबंटन प्राधिकार का पुनरीक्षण करते समय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुई आवृत्ति आबंटन की तबदीलियों, तकनीकी प्रगति और प्रयोक्ता की आवश्यकताओं में आये अन्तर का ध्यान रखा जाता है।

रेडीमेड गारमेंट फैक्ट्रियों के कारीगरों द्वारा मजदूरी तथा बोनस की मांग

4161. श्री दयाराम शाक्य :

श्री पी० के० कोडियन :

क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिल्ली में रेडीमेड गारमेंट फैक्ट्रियों के कारीगरों के वेतन तथा बोनस भुगतान और उनको स्थायी न करने सम्बन्धी समस्याओं की ओर दिलाया गया है ;